हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:217 पृष्ठ:8 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, सोमवार, 11 अगस्त 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की पहल पर उत्तराखंड के गांव-गांव में गुंजायमान होगी देववाणी संस्कृत

पथ प्रवाह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को रा.प्र. विद्यालय, भोगपुर (देहरादून) में आयोजित भव्य कार्यक्रम में राज्य के 13 जिलों के 13 आदर्श संस्कृत ग्रामों का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार देवभूमि की सांस्कृतिक और भाषाई धरोहर को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आने वाले समय में इन सभी ग्रामों में संस्कृत भवनों का निर्माण तथा राजकीय प्राथमिक संस्कृत विद्यालयों की स्थापना की जाएगी, ताकि संस्कृत का प्रचार-प्रसार गांव-गांव तक हो सके।

ये 13 गांव बने आदर्श संस्कृत ग्राम

कार्यक्रम में देहरादून का भोगपुर, टिहरी गढ़वाल का मुखेम, उत्तरकाशी का कोटगाँव, रुद्रप्रयाग का बैंजी, चमोली का डिम्मर, पौड़ी गढ़वाल का गोदा, पिथौरागढ़ का उर्ग, अल्मोड़ा का जैंती पाण्डेकोटा, बागेश्वर का शेरी, चम्पावत का खर्ककार्की, हरिद्वार का नूरपुर पंजनहेड़ी, नैनीताल का पाण्डे गाँव और ऊधमसिंहनगर का नगला तराई शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न

संस्कृत ग्रामों के लोगों से संवाद भी किया।

देववाणी के संरक्षण में उत्तराखंड बना अग्रणी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने इस प्रकार की पहल कर देववाणी संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन का कार्य शुरू किया है। आदर्श संस्कृत ग्रामों में लोग अपने दैनिक जीवन में संस्कृत का प्रयोग करेंगे, जिससे यह भाषा पुनः बोलचाल, व्यवहार और संवाद का हिस्सा बन सकेगी। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति में संस्कृत को आधुनिक एवं व्यवहारिक भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। संस्कृत साहित्य को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, ई-संस्कृत शिक्षण प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार ने लोकसभा की कार्यवाही का अनुवाद भी संस्कृत में शुरू किया है।

संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयास

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रदेश के विद्यालयों में संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष छात्रवृत्ति, संस्कृत छात्र प्रतिभा सम्मान योजना और अखिल भारतीय शोध सम्मेलन, अखिल भारतीय वेद सम्मेलन, अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन जैसे कार्यक्रम नियमित आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने उत्तरकाशी और पौड़ी में हाल ही में आई आपदाओं पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार पुनर्वास कार्यों को पूरी संवेदना और तेज गति से करेगी। साथ ही उन्होंने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून और ऑपरेशन कालनेमि जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री का संबोधन

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि संस्कृत भाषा हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। उत्तराखंड भारत का पहला राज्य है जिसने संस्कृत को दूसरी आधिकारिक भाषा घोषित किया। अगले वर्ष से संस्कृत विद्यालयों में एनसीसी और एनएसएस की शुरुआत की जाएगी तथा शिक्षकों की कमी को दूर किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा संस्कृत विश्वविद्यालय के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए 75 करोड़ रुपये दिए जाने पर आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मौजूद रहे

इस अवसर पर विधायक बृजभूषण गैरोला, मेयर ऋषिकेश शंभू पासवान, सचिव दीपक कुमार, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री, मधुकेश्वर भट्ट सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक और संस्कृत प्रेमी उपस्थित रहे।

पूर्व केबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद नूरपुर पंजनहेड़ी को आदर्श संस्कृत गांव बनाने पर जताई खुशी

पथ प्रवाह

पूर्व केबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने हरिद्वार के आदर्श संस्कृत गांव में नूरपुर पंजनहेड़ी का चयन होने पर बेहद खुशी जाहिर की। उन्होंने वेदपाठी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। देववाणी संस्कृत भाषा को भारतीय संस्कार और संस्कृति की जननी बताया।

हरिद्वार लक्सर रोड़ पर वेलकम फार्म हाउस में आयोजित आदर्श संस्कृत गांव नूरपुर पंहनहेड़ी के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने संस्कृत के छात्रों का स्वागत किया। मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

पूर्व ?केबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने आज के दिन को प्रदेश के गौरव का दिन बताते हुए मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने सभी जनपदों में आदर्श संस्कृत ग्रामों का शुभारंभ किया है। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और इसे जन-जन की भाषा बनाने का यह प्रयास ऐतिहासिक है।

उन्होंने नूरपुर पज्जनहेड़ी को मजबूत और सक्रिय ग्राम बताते हुए ग्रामवासियों से संस्कृत के प्रचार-प्रसार में पूर्ण सहयोग देने की अपील की। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्राम में 3-4 केंद्र खोलकर सभी ग्रामवासियों को सामान्य बोलचाल की संस्कृत सिखाई जाए।

मेयर किरण जैसल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि संस्कृत को आमजन की भाषा बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।डॉ. करुणा गुप्ता ने संस्कृत को भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा का आधार बताते हुए इसके संरक्षण के लिए जागरूकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रकाश चंद्र जोशी ने किया और छात्रों ने संस्कृत में स्वागत गीत से कार्यक्रम को दिव्यता प्रदान की। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी पीआर. चौहान, मुख्य शिक्षा अधिकारी केके. गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुशील चौहान, प्रधानाचार्य सर्वेश्वर तिवारी, डॉ. चंद्रभूषण शुक्ला, प्रभारी निदेशक विद्यासागर व्यास, ग्राम प्रधान प्रदीप चौहान, ग्राम प्रधान हरेंद्र चौधरी, मास्टर धर्मेंद्र, राजेंद्र प्रसाद पुनेठा, राजेंद्र गोनियाल, जिला पंचायत सदस्य सोहनवीर पॉल, प्रधानाचार्य राकेश कुमार, सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मोदी ने बेंगलुरु में तीन वंदे भारत का किया शुभारंभ, येलो मेट्रो लाइन का किया उद्घाटन

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में आरवी रोड को बोम्मासंद्रा से जोड़ने वाली नम्मा मेट्रो की बहुप्रतीक्षित येलो लाइन का उद्घाटन किया और विस्तारित बेंगलुरु-बेलगावी सेवा सहित तीन वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा तैयार 2011 की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के मुताबिक 19.15 किलोमीटर लंबे येलो लाइन कॉरिडोर का निर्माण 2017 में शुरू हुआ लेकिन इसे अनेक विलंबों का सामना करना पड़ा। शुरुआत में इसे दिसंबर 2021 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन भूमि अधिग्रहण संबंधी दिक्कतों, कोविड-19 महामारी और चीनी रोलिंग स्टॉक निर्माता सीआरआरसी नानजिंग से आपूर्ति में देरी के कारण परियोजना में बाधा उत्पन्न हुई। इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी कॉरिडोर पर आठ लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए तैयार की गई नयी मेट्रो लाइन का उद्देश्य सड़क के भीड़भाड़ को कम करना है, विशेष कर अति व्यस्त सिल्क बोर्ड जंक्शन पर। हालांकि शुरुआत में सीमित परिचालन क्षमता के कारण इसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा क्योंकि केवल तीन ट्रेनें उपलब्ध थीं और सेवाओं के बीच 25 मिनट का अंतराल था। यात्रियों ने निराशा व्यक्त की थी और अपर्याप्त आवृत्ति के कारण उद्घाटन को केवल प्रतीकात्मक बताया। आज रागीगुड्डा मेट्रो स्टेशन पर कांग्रेस समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के समर्थन में नारे लगाए और कहा कि मेट्रो परियोजना राज्य और केंद्र सरकारों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है न कि किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने भाजपा के राज्य इकाई प्रमुख विजयेंद्र येदियुरप्पा और बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या सहित भाजपा नेताओं पर इस परियोजना को पूरी तरह से केंद्र सरकार की परियोजना के रूप में वर्णित करने का आरोप लगाया।

एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने सख्ती दिखाई, 15 घंटे में दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह

नाबालिक से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के प्रयास के सनसनीखेज मामले में हरिद्वार पुलिस ने मात्र 15 घंटे में मुख्य आरोपी को दबोच कर सलाखों केक पीछे भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे, जिसके बाद पुलिस टीमों ने त्वरित एक्शन लिया। घटना 9 अगस्त 2025 को सामने आई, जब धनपुरा पथरी निवासी एक व्यक्ति ने थाने में प्रार्थनापत्र देकर बताया कि गांव के अरबिन्द और अन्य दो युवकों ने उसकी नाबालिक बेटी को एंकर फैक्ट्री के पास बने एक सुनसान मकान में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने पीड़िता को मकान की छत से नीचे फेंककर जान से मारने का प्रयास किया। मामले की संवेदनशीलता को

देखते हुए, जो कि दो अलग-अलग समुदायों से जुड़ा था, पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की। पुलिस अधीक्षक देहात के पर्यवेक्षण में कई टीमों का गठन हुआ और साक्ष्य संकलन व कुशल मैनुअल पुलिसिंग के माध्यम से 10 अगस्त 2025 को रेलवे स्टेशन पथरी से आरोपी अरबिन्द पुत्र सुशील (उम्र 19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में टीमें रवाना हैं।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष पथरी मनोज नौटियाल, व0उ0नि0 यशवीर नेगी (थाना पथरी), उ0नि0 अशोक सिरसवाल (चौकी प्रभारी फेरूपुर), कॉन्स्टेबल मुकेश, जयपाल, गंभीर, सतेन्द्र शर्मा, नारायण, दौलत, वसीम (सीआईयू)

पकड़ा गया आरोपी

अरबिन्द पुत्र सुशील, निवासी धनपुरा थाना पथरी, उम्र 19 वर्ष।

उत्तराखंड किसान मोर्चा की हुंकार

देहात में स्मार्ट मीटर नहीं बर्दाश्त

पथ प्रवाह

उत्तराखंड किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी गुलशन रोड़ ने देहात क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, स्मार्ट मीटर उसकी मुसीबत और बढ़ाएंगे। सरकार तुरंत इस योजना को रद्द करे।

हरिद्वार प्रेस क्लब में पत्रकारों से उन्होंने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर उत्तराखंड में भी ट्यूबवेल की बिजली मुफ्त दी जाए और सिक्योरिटी चार्ज के नाम पर हो रही ÷बिजली विभाग की लूट÷ पर तुरंत रोक लगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों की मांगों को नजर अंदाज किया गया तो किसान किसी भी स्तर का आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

मोर्चा के नेता चंद्रशेखर यादव ने भी केंद्र और राज्य सरकार को आगाह किया कि किसानों की आवाज को अनसुना करना भारी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश का अन्नदाता खुशहाल होगा तो ही देश तरक्की करेगा और स्मार्ट मीटर किसी भी सूरत में मंजूर नहीं।

प्रेस वार्ता के दौरान किसान मोर्चा युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अक्षय चौधरी को सौंपी गई। इस मौके पर धर्मेंद्र चौधरी, अक्षय चौधरी, सुखदेव सिंह, राजपाल सिंह, सतवीर यादव, जॉनी कुमार, रमेश, जमील अहमद, हरमिंदर प्रधान, कानू चौधरी, सुखवीर सिंह और चंद्रशेखर यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजधानी में सांसदों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों का सोमवार को उद्घाटन करेंगे मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को राजधानी में संसद सदस्यों के लिए नवनिर्मित टाइप-7 श्रेणी के बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन करेंगे।

इन्हें बाबा खड़क सिंह मार्ग क्षेत्र में बनाया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम सुबह करीब 10ः00 बजे आयोजित किया गया है।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री परिसर में सिंदूर का एक पौधा लगाएंगे और निर्माण श्रमिकों से भी बातचीत करेंगे। वह वहां उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

इस परिसर को निवास के रहन-सहन की दृष्टि से आत्मनिर्भर परिसर के रूप में डिज़ाइन किया गया है और

यह संसद सदस्यों की कार्यात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं की पूरी श्रृंखला से सुसज्जित है। हरित प्रौद्योगिकी को शामिल करते हुए, इस परिसर को गृह 3-स्टार रेटिंग के मानकों और राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) 2016 के अनुरूप विकसित किया गया है। परिसर की पर्यावरणीय रूप से स्वस्थ विशेषताओं से ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में योगदान मिलने की उम्मीद है। उन्नत निर्माण तकनीक–विशेष रूप से, एल्युमीनियम शटरिंग के साथ मोनोलिथिक कंक्रीट–के उपयोग ने संरचनात्मक स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए परियोजना को समय पर पूरा किया गया है। यह परिसर दिव्यांगजनों के अनुकूल भी है, जो समावेशी डिज़ाइन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संसद सदस्यों के लिए पर्याप्त आवास की कमी के कारण इस परियोजना का विकास आवश्यक माना जा रहा था। भूमि की सीमित उपलब्धता के कारण, भूमि उपयोग को अनुकूलित करने और रखरखाव लागत को न्यूनतम करने के उद्देश्य से ऊर्ध्वाधर आवास विकास पर निरंतर ज़ोर दिया गया है।

हरिद्वार, लक्सर, खानपुर फोरलेन परियोजना में फंसा पेंच, वन विभाग की एनओसी

पथ प्रवाह

हरिद्वार-लक्सर-खानपुर मार्ग को फोरलेन में अपग्रेड करने की महत्वाकांक्षी परियोजना में अब वन विभाग की अनुमति और भूमि अधिग्रहण बड़ी चुनौती बन गई है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता सुरेश तोमर ने बताया कि परियोजना के लिए 45 मीटर चौड़ाई की भूमि की आवश्यकता है, जिसमें सर्विस लेन के लिए 25 मीटर और एलिवेटेड हिस्से के पास 25 मीटर जगह रखी जाएगी। परियोजना का एलायमेंट तय किया जा चुका है, लेकिन निर्माण शुरू करने से पहले वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना और प्रभावित क्षेत्र की भूमि का अधिग्रहण अनिवार्य होगा। इसके बाद तैयार डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) भारत सरकार को भेजी जाएगी। अधिकारियों का मानना है कि आवश्यक अनुमतियों और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी करने में समय लगेगा, इसलिए यह परियोजना कुंभ 2027 के बाद ही शुरू हो पाएगी। फोरलेन बनने के बाद हरिद्वार के स्थानीय लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी और कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार-लक्सर रोड के ग्रामीणों को भी यातायात जाम से निजात मिलेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ का टैरिफ वॉर पर प्रहार, भारत का विकास और तेज होगा

रायसेन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि भारत का विकास हर बाधा को पार करते हुए और तेजी से होगा। इसे कोई भी बाधा नहीं रोक सकती।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज के उमरिया में 1800 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली बीईएमएल रेल हब फोर मैन्यूफैक्चरिंग इकाई (ब्रह्मा) की आधारशिला रखते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि भारत स्वदेशी शक्ति से अपने दुश्मनों को परास्त करने में सक्षम है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'कुछ लोग हैं जो भारत की तेज़ विकास गति से खुश नहीं हैं। वे सोचते हैं 'सबके बॉस तो हम हैं, भारत इतनी तेज़ी से कैसे बढ़ रहा है' और कोशिश कर रहे हैं कि भारत में बनी चीजें महंगी हो जाएं ताकि दुनिया उन्हें न खरीदे। लेकिन मैं पूरे आत्मविश्वास से कहता हूं कि अब दुनिया की कोई ताकत भारत को बड़ी शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।' श्री सिंह यहां परोक्ष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का जिक्र

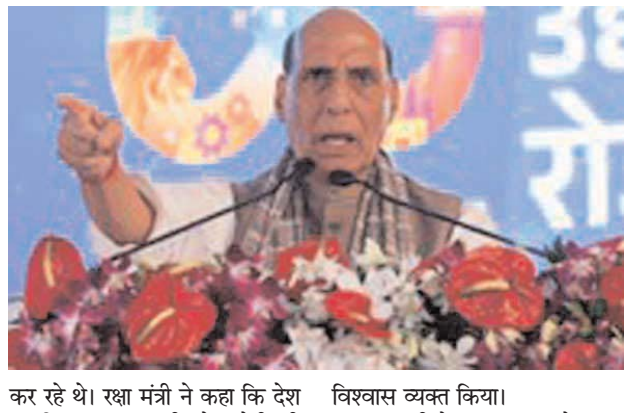

कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश का विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में और तेजी गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। रक्षा मंत्री ने पिछले दशक में देश की आर्थिक वृद्धि और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डाला और बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने आगे कहा कि डबल इंजन वाली सरकार अर्थव्यवस्था को और भी तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया।

रक्षा मंत्री ने रक्षा उत्पादन में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि देश अब 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर जोर देकर कहा कि भारत की निर्णायक प्रतिक्रिया ने एक कड़ा और स्पष्ट संदेश दिया है कि देश अब अपनी अखंडता और संप्रभुता पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, 'हम किसी को उकसाते नहीं हैं, लेकिन जो हमें उकसाते हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।'

ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का प्रतीक बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों ने स्वदेशी हथियारों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया, जिसने इस ऑपरेशन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'भारत इस मुकाम तक केवल इसलिए पहुँच पाया क्योंकि देश ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया था।'

रक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शिता की सराहना करते हुए, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत न केवल अपनी धरती पर उपकरण बना रहा है, बल्कि मित्र देशों की सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा उत्पादन और निर्यात अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है और रिकॉर्ड आँकड़े प्राप्त कर रहा है। यह नए भारत का नया रक्षा क्षेत्र है। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2024-25 में वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.51 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया और रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और परिचालन सामंजस्य का प्रमाण:जनरल अनिल चौहान

नयी दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और परिचालन सामंजस्य का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गयी।

उन्होंने 21 वें उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी) के प्रतिभागियों और कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट (सीडीएम), सिकंदराबाद के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए सशस्त्र बलों में एकीकृत अभियानों के भविष्य की कार्य योजना को आकार देने के लिए अहम बिंदुओं का उल्लेख किया। जनरल अनिल चौहान ने प्रौद्योगिकी-संचालित आधुनिक युद्ध में विघटनकारी परिवर्तनों से निपटने के लिए व्यापक क्षमता विकास, आत्मनिर्भरता और सेना में किए जा रहे परिवर्तनकारी बदलावों की गहरी समझ के महत्व पर बल दिया। सीडीएस ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना और उच्चतर रक्षा प्रबंधन' पर एक व्यापक व्याख्यान में भारत के रक्षा संगठन के विकास और वर्तमान ढांचे की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सैन्य मामलों के विभाग की उपलब्धियों, निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा समितियों के कामकाज, संगठनात्मक पुनर्गठन सहित सुधारों के पालन और संयुक्त क्षमता बढ़ाने हेतु थिएटर कमांड की कार्य योजना का उल्लेख किया । उन्होंने उभरती राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए निरंतर सुधारों, आपसी तालमेल और अनुकूलनशीलता के महत्व पर बल दिया गया। जनरल अनिल चौहान ने संयुक्त रसद और एकीकरण को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के तहत, सीडीएम द्वारा तैयार एक व्यापक मार्गदर्शिका, 'एकीकृत रसद के लिए संयुक्त प्राइमर' जारी की।

एक नजर

केंद्रीय मंत्री गोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज

तिरुवनंतपुरम। केरल छात्र संघ ने रविवार को त्रिशूर ईस्ट पुलिस में केंद्रीय मंत्री और त्रिशूर से सांसद सुरेश गोपी के संसदीय क्षेत्र से गायब होने की शिकायत दर्ज कराई है। केरल छात्र संघ जिला अध्यक्ष गोकुल गुरुवायूर के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में दो केरल ननों की गिरफ्तारी के बाद से सुरेश गोपी क्षेत्र में नजर नहीं आए। गोकुल ने कहा कि पिछले दो महीने से गोपी किसी भी स्थानीय कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। यहां तक कि त्रिशूर के मेयर और राज्य सरकार में राजस्व मंत्री के. राजन भी उनसे संपर्क नहीं कर पाए। केरल छात्र संघ ने मंत्री के खिलाफ अभियान चलाने की चेतावनी दी है और उनकी अनुपस्थिति की जांच की मांग की है। संगठन का कहना है कि मंत्री ने ननों की गिरफ्तारी, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी जैसे मुद्दों पर भी चुप्पी साधी हुई है।

यमुना खतरे के निशान के करीब

नई दिल्ली। दिल्ली में तेज बारिश के कारण 300 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं। जैतपुर इलाके में मोहन बाबा मंदिर के पास एक 100 फुट लंबी दीवार गिरी, मलबे से 8 लोगों दब गए थे। इलाज के दौरान 7 की मौत हुई। रविवार को यमुना का जलस्तर खतरे के निशान 205 मी. से नीचे है। मध्य प्रदेश में भोपाल समेत आधे से ज्यादा राज्य में 24 साल में पहली बार है कि अगस्त महीने के पहले 9 दिन बिना बारिश के बीते। यहां 1 मिमी भी बारिश नहीं हुई। 14 अगस्त से मौसम बदलने के आसार हैं, क्योंकि 13 अगस्त को बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जो एक बड़े मानसूनी सिस्टम में बदल सकता है।

स्कूल से लापता तीनों बच्चे मिले

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला में फेमस बिशप कॉटन स्कूल के लापता तीनों बच्चों को पुलिस ने ढूंढ लिया है। तीनों शिमला के ही कोटखाई के चैथला में मिले। यहां से एक किडनैपर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक उसने फिरौती के लिए तीनों को किडनैप किया था। तीनों को गाड़ी में ले गया था। उस गाड़ी को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। आरोपी सुमित शिमला के लोअर बाजार का रहने वाला है। उसके खिलाफ मामला दर्ज करके पूछताछ की जा रही है। तीनों बच्चे छठीं क्लास के स्टूडेंट हैं। इनमें एक हिमाचल के कुल्लू, दूसरा पंजाब के मोहाली और तीसरा हरियाणा के करनाल का रहने वाला है। इन बच्चों के नाम अंगद, हितेंद्र और विदांश हैं। अंगद करनाल का रहने वाला। उसके चाचा पप्पू लाठर कांग्रेस नेता हैं।

दुकानों और मजार पर चला बुलडोजर

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस लाइन से कचहरी रोड पर अतिक्रमण हटाया गया। 3 थानों की पुलिस और आरएएफ की टीम तैनात है। दंगा नियंत्रण वाहन को भी बुलाया गया है। 500 जवान तैनात हैं। रविवार सुबह साढ़े 11 बजे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। सबसे पहले जेसीबी से कचनार शहीद मजार की दीवार तोड़ी गई। इसके बाद दुकानों को तोड़ा गया। इस दौरान कई दुकानों में सामान भी था। दायम खान मस्जिद की आड़ में अतिक्रमण करके 6 से अधिक दुकानें बनाई गई थीं। उनको भी जेसीबी से ढहा दिया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान काफी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई।

दिल्ली के पॉश इलाके में तेज रफ्तार थार का कहर!

पैदल जा रहे 2 लोगों को कुचला, सडक़ पर घंटों पड़ी रही एक की लाश

दिल्ली। नई दिल्ली के 11 मूर्ति के पास चाणक्यपुरी के पॉश इलाके में रविवार की सुबह एक तेज रफ्तार थार ने दो लोगों को कुचल दिया। जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हादसा हुआ, वह स्थान राष्ट्रपति भवन से 2 किलोमीटर की दूरी पर है।

जानकारी के मुताबिक जिसकी मौत हुई है, वो सडक़ पर पैदल जा रहा था। इसी दौरान थार ने उसे टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद थार डिवाइडर से टकरा गई। जिससे थार की अगली पहिया भी खुल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के एक घंटे बाद तक मृतक की लाश सडक़ पर ही पड़ी रही। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने बताया कि एक तेज रफ्तार थार ने दो लोगों को कुचल दिया। जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी तेज थी कि थार की आगे की पहिया निकल गई। फिलहाल थार चालक को हिरासत में ले लिया गया है। साथ ही थार भी जब्त कर ली गई है। थार से शराब की बोतलें भी बरामद हुई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी थार ड्राइवर 26 साल का युवक है।

विधानसभा में बांके बिहारी न्यास विधेयक-2025 पेश होगा

यूपी में 13 अगस्त को 24 घंटे चलेगा सदन; योगी ने सभी दलों के साथ बैठक की

लखनऊ। यूपी में विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। सरकार इस बार बांके बिहारी न्यास विधेयक-2025 लेकर आ रही है। विधेयक को सदन में पेश करके पास कराया जाएगा। हालांकि, बांके बिहारी न्यास का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। ऐसे में कोर्ट से अंतिम फैसला आने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। 13 अगस्त को सुबह 11 बजे से 14 अगस्त को सुबह 11 बजे यानी 24 घंटे लगातार सदन की कार्रवाई चलेगी। इसमें सभी मंत्री प्रदेश के 2047 तक के विकास का विजन डॉक्यूमेंट पेश करेंगे। सदन में उस पर चर्चा होगी। विधायकों के सुझाव और प्रस्ताव को शामिल कर सभी मंत्री अपना प्रस्ताव तैयार करके केंद्र सरकार को भेजेंगे। रविवार सुबह 11 बजे विधानसभा में पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई। इसमें विधानसभा सत्र संचालन का एजेंडा तय किया गया। इसके बाद सीएम योगी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। योगी ने सभी दलों के नेताओं से सत्र के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन की अपील की। कहा- सरकार विपक्ष के हर मुद्दे और हर सवाल का जवाब देने को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन में शोर शराबा और हंगामा न करे।

पाकिस्तान को 2 महीने में 127 करोड़ का नुकसान

सिंधु समझौता रद्द करने पर भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद किया था; रोजाना 150 फ्लाइट प्रभावित

नई दिल्ली। पाकिस्तान को भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद करने से दो महीनों में 127 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ है। 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि निलंबित करने के भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने संसद में बताया कि इस दौरान रोजाना लगभग 100 से 150 भारतीय उड़ानें प्रभावित हुईं। इससे पाकिस्तान को 24 अप्रैल से 30 जून के बीच 4.10 अरब पाकिस्तानी रुपए (लगभग 127 करोड़ भारतीय रुपए) का नुकसान हुआ। एयरस्पेस बंद करने का यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान स्थित आतंकी

संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। पाक रक्षा मंत्रालय ने कहा कि घाटा होने के बाद भी भारतीय विमानों पर लगे प्रतिबंध हटाए नहीं जाएंगे और एयरस्पेस को अगस्त के आखिरी हफ्ते तक बंद रखा जाएगा। इसके बाद स्थिति को देखकर निर्णय लिया जाएगा।

2019 में भी 451 करोड़ का नुकसान हुआ था

पाकिस्तान को 2019 में भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाने से लगभग 451 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ था।

वहीं, पाकिस्तान के प्रतिबंध के जवाब में भारत ने भी पाकिस्तानी विमानों के भारतीय एयरस्पेस में घुसने पर रोक लगाई हुई है। पाकिस्तानी मंत्रालय के मुताबिक, नुकसान होने के बावजूद पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी की कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई है। 2019 में रोजाना औसत ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढक़र 6.35 करोड़ हो गई। ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढक़र 6.35 करोड़ हो गई।

भारतीय एयरलाइनों को हर महीने 306 करोड़ कानुकसान

पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के बाद 30 अप्रैल को एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय एयरलाइनों को हर महीने करीब 306 करोड़ रुपए से ज्यादा एक्स्ट्रा खर्च करने पड़ सकता है। एअर इंडिया ने अनुमान लगाया था कि अगर एक साल तक एयर स्पेस बंद रहता है तो उसे 600 मिलियन डॉलर यानी करीब 5081 करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में भारत

कुछ अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर लगेगा 50 प्रतिशत तक टैरिफ

मुंबई। अमेरिका ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और कई प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत टैरिफ (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। ट्रम्प ने 31 जुलाई को सभी भारतीय प्रोडक्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। इसके बाद फिर 6 अगस्त को रूस से ऑयल इम्पोर्ट को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था। स्टील और एल्युमिनियम विवाद फरवरी से चल रहा है, जब ट्रम्प प्रशासन ने इन मेटल्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। जून में इस ड्यूटी को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। इससे कम से कम 7.6 बिलियन डॉलर यानी 66,559 करोड़ रुपए के इंडियन एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है। भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) में कहा था कि अमेरिका के कदम को नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर छिपाया गया है, जबकि असल में ये डब्ल्यूटीओ के नियमों के उलट सेफगार्ड ड्यूटी हैं। अमेरिका ने इस मामले में बातचीत से मना कर दिया। इसके बाद भारत ने अब डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत पलटवार की कानूनी तैयारी कर ली है। ट्रम्प ने भारत के साथ बातचीत बहाल करने की संभावना को खत्म कर दिया। व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से ट्रम्प ने कहा कि मौजूदा विवाद सुलझने तक भारत के साथ ट्रेड डील पर बातचीत आगे नहीं बढऩे वाली है।

भारत कितना टैरिफ लगा सकता है

अमेरिका भारत के साथ इस विवाद को अपने शर्तों पर सुलझाने की कोशिश कर रहा है। जिससे भारत के पास पलटवार के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं बचा है। भारत अमेरिका के स्टील और मेटल से जुड़े अन्य प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है।

पंप ठीक करने कुएं में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत

बिजनौर,। यूपी के बिजनौर जिले के सरकथल गांव में रविवार को हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। दरअसल 20 फीट गहरे कुएं में पंप बेल्ट लगाने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आए तीन भाइयों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 25 वर्षीय छत्रपाल, 22 वर्षीय हिमांशु (चचेरा भाई) और 20 वर्षीय कशिश के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब सबसे पहले छत्रपाल कुएं में उतरा और जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए हिमांशु और कशिश भी एक-एक कर कुएं में उतरे, लेकिन वे भी गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महिलाओं ने गाया बधाई गीत, योगी सरकार के ट्रस्ट पर रोक

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का मामला

मथुरा,। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे और उसके सम्मान में मंदिर में महिलाएं बधाई गीत गाएं। जी हॉ वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर मामले में ऐसा ही कुछ हुआ है। दरअसल कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी की योगी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए गए ट्रस्ट का विरोध गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं पिछले ढाई माह से लगातार कर रहीं थीं और अब कोर्ट ने इस पर रोक लगाकर एक तरह से उन्हें राहत प्रदान कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले तक जो महिलाएं विरोध स्वरुप प्रदर्शन कर रहीं थीं वही अब बधाई गीत गाती

नजर आई हैं। मानों बांके बिहारी मंदिर का माहौल ही अचानक बदल गया है। कोर्ट का फैसला जान गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं खुश हो गईं और ठाकुरजी को निहारते हुए बधाई गीत गाने लगीं, इससे मंदिर प्रांगण का भक्तिमय माहौल भावुक पलों में तब्दील हो गया। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और भक्तों में इसकी वजह जानने की कोशिश की। इस पर वहां मौजूद महिलाएं भावुक हो कहती दिखीं, जिन्होंने हमारे ठाकुरजी को परेशान करने की कोशिश की थी, उनकी हार हुई। ठाकुरजी ने तो हमें अपने पास ही रखा...। वे सभी जयकारा लगाते हुए बोलीं...जय हो बिहारीजी की। इसी के साथ भावना से ओत-प्रात महिलाएं गाती हैं, मेरे ठाकुर जी की फूल गई फुलवाड़ीज। जिसमें अन्य भक्तजन भी शामिल होते चले जाते हैं। यहां बताते चलें कि कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए जाने वाले ट्रस्ट का विरोध काफी लंबे समय से किया जा रहा था। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 8 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को रद्द किया जा रहा है। कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक लगाते हुए अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। इसे बांके बिहारी मंदिर से जुड़े हुए लोग और भक्त बड़ी जीत बता रहे हैं और बधाई गीत गा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए साझा उम्मीदवार उतारेगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने भी तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन का साझा उम्मीदवार उतारने के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का नाम तलाशने और आम सहमति बनाने के लिए गठबंधन के सहयोगी दलों से संपर्क कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया का मानना है कि वे चुनाव में अपने दमदार प्रदर्शन के जरिये सत्ताधारी दल को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव नौ सितंबर को होना है। चुनाव को लेकर सत्ताधारी एनडीए गठबंधन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया ने भी उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने पर चर्चा शुरू कर दी है।

नाबालिग से मोबाइल छीनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पीड़ित की सूझ-बूझ आई काम

लुधियाना,। जगराओं में नशे की लत पूरी करने के लिए एक नाबालिग से मोबाइल लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। खास बात यह रही कि आरोपियों का सुराग खुद पीड़ित ने लगाया और पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दलेर सिंह और वीरू सिंह के रूप में हुई है, जो गांव डल्ला के रहने वाले हैं और जगराओं में मेहनत-मजदूरी करते हैं। पीड़ित जसमान सिंह उर्फ जस गांव गिद्दड़विडी का निवासी है और इस समय अपनी बुआ मनदीप कौर के घर ख्वाजा बाजू में रह रहा है। जसमान ने पुलिस को बताया कि वह कल किसी काम से बाजार गया था। वापसी में, डिस्पोजल रोड पर पीछे से आए बाइक सवार दोनों लुटेरों ने उसका मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। घटना के बाद जसमान ने हार मानने के बजाय खुद जांच शुरू की और जानकारी जुटाई कि आरोपी गांव डल्ला के रहने वाले हैं, जो नशे के आदी हैं और अक्सर लूटपाट की वारदातें करते हैं।

संपादकीय

गिल तारीफ के काबिल

भारतीय क्रिकेट अब रोहित और विराट के युग से आगे निकल कर गिल और गंभीर के युग में प्रवेश कर गई है। भारतीय युवा टीम ने इस कारनामे को शानदार ढंग से अंजाम दिया है।

उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर टेस्ट सीरीज के ओवल में खेले आखिरी टेस्ट को जिस तरह से जीता है, उससे अहसास हो गया है कि टीम की कमान सही हाथों में है। सीरीज की शुरुआत से पहले रोहित शर्मा, विराट कोहली और अश्विन के संन्यास लेने पर कहा जा रहा था कि युवा टीम की यह मुश्किल परीक्षा है। पर इस यंग ब्रिगेड न सिर्फ इस परीक्षा को उम्दा अंदाज में पास किया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि आने वाले दिनों में वह क्या करने वाले हैं।

असल में चौथे टेस्ट को जिस तरह हार के कगार से बचा कर टेस्ट ड्रा कराया और फिर ओवल टेस्ट को जीतने से टीम का डीएनए क्या है, यह पता चलता है। इस यंग टीम की सबसे बड़ी खूबी यह दिख रही है कि वह मुश्किल से मुश्किल हालात में भी समर्पण करने में विश्वास नहीं रखती। टीम की यह सोच टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है।

बहुत संभव है कि कप्तान शुभमन गिल से कुछ मौकों पर फैसलों में चूक हुई हो पर उन्होंने जिस तरह से भारतीय गेंदबाजों को अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित किया और टीम को महत्त्वपूर्ण मौकों पर एकजुट रखा, उससे लगता है कि वह विराट और रोहित की तरह टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकते हैं।

गिल इसलिए भी तारीफ के काबिल हैं कि उनकी सेना देशों में इससे पहले प्रदर्शन कोई बहुत अच्छा नहीं था और कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने पर उनका प्रदर्शन बिखर भी सकता था। पर उन्होंने अपने प्रदर्शन से हैरत में ही नहीं डाला बल्कि यह भी दिखाया कि कप्तानी का उनके ऊपर कोई दवाब नहीं है।

इस सीरीज ने टेस्ट क्रिकेट को पांच दिनों का ही रखने की सोच को बल दिया है। असल में पिछले कुछ सालों में कई टेस्ट तीन-चार दिन में खत्म हो जाने पर टेस्ट मैचों को चार दिन का करने की चर्चा चलने लगी थी। पर इस सीरीज ने दिखाया कि दोनों टीमों में लड़ने का माद्दा हो और उन्हें अच्छे विकेट मुहैया कराए जाएं तो पांच दिनों तक टेस्ट में रोमांच बना रह सकता है।

इस सीरीज के जिन चार टेस्ट मैचों में परिणाम निकला है, वे सभी चार दिन का टेस्ट होने पर ड्रा हो जाते। साथ ही, भारत और इंग्लैंड, दोनों ने ही बेहतरीन क्रिकेट खेल कर दिखाया कि टेस्ट क्रिकेट का कोई सानी नहीं है।

आदिवासी ही नहीं, गैर-आदिवासियों के दिलों पर भी दिशोम गुरु राज किया

अरविंद कुमार सिंह

देश के शीर्ष आदिवासी नेता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के समकालीन नेताओं में कई ऐसे हैं, जिन्होंने बहुत लंबी सत्ता का इतिहास बनाया और बहुत सी उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन शिबू सोरेन के निधन के बाद दिल्ली और झारखंड में जो नजारा दिखा है, उसने साबित किया कि आदिवासी ही नहीं, गैर- आदिवासियों के दिलों पर भी उन्होंने राज किया।

बचपन से लेकर आखिरी सांस तक उनके राजनीतिक जीवन का बड़ा हिस्सा संघर्ष में ही बीता पर उन्होंने जल-जंगल-जमीन की जंग में जितनी लंबी लकीर खींची है, वहां तक पहुंच पाना बहुत कठिन है।

दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन फिलहाल रामगढ़ के अपने पैतृक नेमरा की मिट्टी में विलीन हो गए पर उन्होंने आदिवासी संघर्ष में ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया है, उनकी अंतिम यात्रा में यह साफ दिखा। झारखंड की धरती महान नायक बिरसा मुंडा, बाबा तिलका मांझी, वीर बुधू भगत और सिदो-कानू जैसे नायकों की श्रेणी में आजादी के बाद के उनके कामों को भी शामिल करेगी। बहुत कंटीले रास्ते पर धारा के खिलाफ शिबू सोरेन का जो सफर आरंभ हुआ था, उसका समापन संतोष भरा था क्योंकि उन्होंने जिन विचारों पर अपनी राजनीति आरंभ की थी वह उनके जीवनकाल में बहुत विस्तारित हुई और उनकी अगली पीढ़ी ने उनकी विरासत को बखूबी संभाल लिया है।

झारखंड को अलग राज्य बनाने में शिबू सोरेन के योगदान को तो सभी मानते ही हैं पर आदिवासी समुदाय में प्राकृतिक संपदा को बचाने और कुरीतियों के खिलाफ उन्होंने जो संघर्ष किया, वह बेमिसाल है। मैदानी इलाकों की तुलना में साधनविहीन इलाकों में राजनीति करना कठिन काम है पर वहीं काम करते हुए वे जंगल के महान नायक और गुरु जी के नाम से विख्यात हुए। महाजनी प्रथा और नशे के खिलाफ आदिवासियों तथा कमजोर तबकों के बीच उन्होंने जो संघर्ष किया वह भावी पीढ़ियों के लिए मिसाल रहेगा। झामुमो नेता हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री उनके ही बनाई संघप्रो की जमीन पर बने हुए हैं।

शिबू सोरन के बचपन में ही पिता की हत्या हो गई तो मैट्रिकुलेशन तक ही उनकी शिक्षा हो सकी। लेकिन बचपन से ही वे गरीबों पर अत्याचार, अन्याय, नशाबंदी और महाजनी सिस्टम के खिलाफ मैदान में उतरे और लंबा संघर्ष करते हुए प्रांतीय और राष्ट्रीय राजनीति में अलग जगह बनाई। तीन बार वे झारखंड के मुख्यमंत्री बने लेकिन बहुत सीमित कालखंड के लिए। तीन बार केंद्र में मंत्री भी रहे। संसद के दोनों सदनों में रहे। मुखिया पद पर हार से उनकी राजनीति शुरू हुई और मुख्यमंत्री रहते हुए भी वे चुनाव हार गए तो राजनीतिक विरोधियों ने बहुत तंज कसा था। लेकिन उनकी राजनीति खत्म नहीं हुई। आखिरी सांस ली तो वे उच्च सदन के सदस्य थे। राष्ट्रीय स्तर की हैसियत बनाने के बाद भी उनके भीतर का गांव कायम रहा। तीन दशक से मैंने उनको करीब से देखा और निजी तौर पर भी उनसे पहचान रही। वे अपने मूल विचारों पर हमेशा कायम रहे। राजनीतिक समझौते भी किए तो उसकी परिधि में आदिवासियों की भलाई शामिल थी।

बेशक, ऐसे नायकों के बारे में मीडिया एक अलग पूर्वाग्रह रखता है। इसीलिए शिबू सोरेन के जीते जी उनका उचित मूल्यांकन नहीं हुआ पर समाज को जगाने वाले नायक के रूप में उनकी अमिट पहचान इतिहास में दर्ज होगी। कम लोगों को पता है कि उन्होंने आदिवासी समाज की शिक्षा-दीक्षा से लेकर कुरीतियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। रात्रि पाठशाला चलाने के साथ उन्होंने शराब से लेकर कई कुरीतियों के खिलाफ अलख जगाने का काम किया। इस चेतना का जागरण भी किया कि बगैर अलग राज्य बने आदिवासियों का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकेगा। इसीलिए इसके साथ भले ही छत्तीसगढ़ या उत्तराखंड राज्य बन गया हो लेकिन किसी राज्य के लिए लंबे संघर्ष का इतिहास केवल झारखंड का रहा है। 1973 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना के बाद आदिवासियों का संघर्ष राष्ट्रीय क्षितिज तक दिखा और अन्य प्रांतों के लिए प्रेरक भी बना। झारखंड खनिज संपदा में देश का सबसे संपन्न राज्य है। भारत के स्वाधीनता आंदोलन में भी यह अग्रणी रहा था और एक दौर तक यहां कांग्रेस का वर्चस्व रहा। खुद शिबू सोरेन के पिताजी भी कांग्रेस से जुड़े थे। 1940 में रामगढ़ में कांग्रेस अधिवेशन मौलाना आजाद की अध्यक्षता में हुआ था जिसमें झारखंड की धरती पर महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और ताना भगत समेत तमाम नायक शामिल हुए थे और यहीं से %भारत छोड़ो' आंदोलन के विचार की भी नींव पड़ी थी।

इसके चार साल बाद शिबू सोरेन का जन्म हुआ जब देश आजाद होने के कगार पर खड़ा था। झामुमो का संघर्ष और जागरूकता भी एक वजह है जिस कारण झारखंड अपने जल-जंगल-जमीन के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेज कर रखने में सफल रहा।15 नवम्बर, 2000 को नया राज्य बनने के बाद यह शिबू सोरेन के कारण हर सरकार के एजेंडे का हिस्सा रहा। बेशक, भारत के कुल क्षेत्रफल का 2.4 फीसद हिस्सा झारखंड के पास है, और देश की आबादी का 2.7 फीसद पर, आकार में झारखंड पेरू जितना बड़ा है। पेरू दुनिया का 40वां सबसे बड़ा देश है। प्राकृतिक और भूगर्भ संसाधनों से भरपूर झारखंड में ही देश का सबसे बड़ा कोयला और लौह अयस्क भंडार है पर खनन से विस्थापन नियति बना हुआ है।

नक्सलवाद कम होने के बाद भी चुनौती बरकरार है। राज्य की करीब 66.85 फीसद आबादी खेती पर आश्रित है लेकिन खेती चुनौतियों से भरी है। राष्ट्रीय दलों की अपनी अलग सोच और बाध्यताएं होती हैं, जबकि क्षेत्रीय दलों का एक सीमित दायरे में लक्षित समूह होता है। इसलिए झारखंड में शिबू सोरेन की रचना झामुमो नये विचारों के साथ जल-जंगल-जमीन को एजेंडे में रख कर आगे भी चलेगा।

आपदा में दिख रही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। उनकी कार्यशैली में जनता की सुरक्षा और जनकल्याण पहली प्राथमिकता है जिसका स्पष्ट प्रमाण हाल के दिनों में अतिवृष्टि और बाढ़ के दौरान प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं में किए गए राहत कार्यों और अनेक फैसलों में देखा जा सकता है।

प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की सबसे अधिक आवश्यकता किसी भी शासक को होती है। डॉ. मोहन यादव ने अपने अभी तक के कार्यकाल में इस बात को साबित किया है आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। डॉ. मोहन यादव ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जान-माल की सुरक्षा करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन दिनों बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार समीक्षा कर रहे हैं जिसके चलते प्रशासन भी पूरा मुस्तैद नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट के दौरान उन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और प्रशासन के समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोहन सरकार ने अतिवृष्टि से प्रभावित 432 बचाव अभियान चलाकर 3628 नागरिकों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया और 53 राहत शिविरों में 3065 लोगों को भोजन, दवाइयां, कपड़े और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की। प्रदेश में तैनात बचाव राहत दलों द्वारा 432 बचाव अभियान चलाए गए जिसमें 3628 नागरिकों तथा 94 मवेशियों को जीवित बचाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव में एक कुशल प्रशासक के साथ एक संवेदनशील राजनेता की छवि भी दिखाई देती है। वे आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए तत्काल पहुंचते हैं और प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी देते हैं। उन्होनें स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। गुना में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझकर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उनकी यह संवेदनशीलता न केवल प्रशासन को प्रेरित करती है, बल्कि जनता में भी विश्वास जगाती है कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस चुनौती का प्रशासन ने तत्परता एवं समन्वय के साथ सामना किया। इस दौरान एनडीआरएफ की 70 सदस्यीय टीम द्वारा सघन बचाव कार्य किए। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर भोजन पैकेट वितरण, अस्थायी आश्रय स्थल की स्थापना तथा आवश्यक सामग्री वितरण जैसे राहत कार्य किए गए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की और प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को अभी तक 58 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है।

अभी कुछ दिन पहले सीएम डॉ.यादव शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित राहत कार्यों का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियाँ हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंकने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस्तर क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उनके इस संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जमकर तारीफ की है।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मकान क्षति और खाद्यान्न के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही, मक्का और सोयाबीन की फसलों को हुए नुकसान के लिए मुआवजे का निर्देश भी दिया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए और मुआवजा शीघ्र वितरित हो। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव का ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और त्वरित कार्रवाई करने का प्रयास सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाढ़ से प्रभावित स्थायनीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां शुरू कर दी थी। 22 जुलाई को उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को बाढ़ की पूर्व तैयारियों के लिए निर्देश दिए और 9 जून को मुख्य सचिव द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार में तैनात की गई, जबकि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय किया गया। पूरे प्रदेश में 259 संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर डिजास्टर रेस्पॉन्स सेंटर स्थापित किए गए और 111 क्विक रेस्पॉन्स टीमें तैनात की गई। इसके अतिरिक्त, 3300 आपदा मित्रों और 80,375 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया जिससे जन-सामान्य को आपदा प्रबंधन में शामिल किया जा सका।

डॉनल्ड ट्रंप भारत के इतने खिलाफ क्यों हो रहे हैं

अजय दीक्षित

एक सप्ताह से यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप भारत पर टैरिफ बार कर रहे हैं और आज उन्होंने टैरिफ को बढ़ा कर पच्चीस से पचास फीसदी कर दिया है ये उन वस्तुओं पर लगेगा जो भारत अमेरिका को निर्यात करेगा पहले ये दस फीसदी था । उल्लेखनीय है भारत अमेरिका को 84 अरब डॉलर का प्रति वर्ष निर्यात करता है जिसके बदले में अमेरिका से 47 अरब डॉलर कीमत का आयत करता है जिसमें लोहा सीमेंट, रक्षा उपकरण, हेलीकॉप्टर, आदि शामिल हैं जबकि भारत अमेरिका में डेयरी उत्पाद, टेक्सटाइल,कपास, जुट, आदि निर्यात करता है। भारत क्रूड ऑयल सऊदी अरब,रूस, कुवैत, इराक,ईरान,से खरीद रहा है।रूस से प्रति महीने 1.1लाख बैरल क्रूड ऑयल खरीद रहा है जो भारत की जरूरत का 40 फीसदी के आसपास है बस यही से विवाद शुरू हुआ है। अमेरिका का कहना है कि भारत रूस की अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने में लगा है और रूस यूक्रेन युद्ध को बंद नहीं कर रहा है।3 वर्ष से अधिक से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध को बंद कराने के कई प्रयास कर लिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को युद्ध विशेषज्ञों ने बताया है कि रूस यूक्रेन को पूरा कब्जा कर ले गा तभी युद्ध समाप्त होगा चाइना तो भारत से भी अधिक क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है। देखिए अब विश्व का राजनीतिक पारदर्श बदल रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और विक्रम मिश्री सात दिन से चीन में है । और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाइना जाने वाले हैंविदेश मंत्री एस जयशंकर भी चाइना में आज सी जिंग पिंग से मिले हैं। अमेरिका के खिलाफ पूरे विश्व में गोलबंदी हो रही है। यूरोपीय देशों ने नाटो से मुंह मोड़ लिया है क्योंकि अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेनी राष्ट्रपति जलेशकी को व्हाइट हाउस में बुलाकर फटकार लगाई थी।दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीति किसी को समझ में ही नहीं आ रही है कभी भारत पर आरोप लगाते हैं कि रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है और कभी यूरोपीय देशों को फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया,पर टैरिफ बढ़ा कर उन्हें नेस्तनाबूद करने को धमकी देते हैं। डॉनल्ड ट्रंप का पहला कार्यकाल इतना उलझा नहीं था और न किसी अमेरिकन राष्ट्रपति का रहा है। जबकि यूरोपीय देशों गैस, क्रूड ऑयल, रूस से खरीद रहे हैं। गाजा में भूखे पॉलिस्टिनो पर उस समय हमला कर रहा है जब वह खाने पीने का सामान लेने जा रहे हैं। लेकिन तब अमेरिका का मानव अधिकार संगठन चुप बैठ जाता है। कुल मिलाकर डॉनल्ड ट्रंप का ऐसे पहले राष्ट्रपति है जो नित नई नीति घोषित कर ते हैं। भारतीय औद्योगिक क्षेत्र के जानकार श्री हीरा चंदानी ने कहा कि भारत इस समय विश्व की सबसे अधिक बढ़ती अर्थ व्यवस्था है और उसका जीडीपी 6.4 के आसपास है तो डॉनल्ड ट्रंप ने जो कहा है कि भारत डूबती अर्थ व्यवस्था है यह गलत है।

धराली आपदा सीएम धामी ने 7 दिन में नुकसान का आकलन तैयार करने के दिए निर्देश, कल्प केदार देवता मंदिर का होगा पुनर्निर्माण

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आपदा कंट्रोल रूम, आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून में धराली और हर्षिल सहित अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि धराली आपदा में क्षतिग्रस्त निजी और सार्वजनिक संपत्ति के आकलन की प्रक्रिया 7 दिन के भीतर पूरी की जाए, ताकि यह रिपोर्ट तुरंत भारत सरकार को भेजी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ संबंधित विभागों ने प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है, लेकिन अब विस्तृत और अंतिम आकलन तेजी से तैयार होना चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि रिपोर्ट तैयार होते ही केंद्र को भेजी जाए, जिससे आगे की सहायता और पुनर्वास कार्य में तेजी लाई जा सके।

तात्कालिक राहत वितरण में तेजी के निर्देश

सीएम धामी ने धराली सहित राज्य के सभी आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सरकार द्वारा दी जा रही तात्कालिक सहायता का वितरण जल्द से जल्द पूरा करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि यह राशि प्रभावितों को तत्काल मदद पहुंचाने के लिए है, इस पर किसी भी तरह की नकारात्मक या भ्रामक चर्चा से बचा जाना चाहिए।

कल्प केदार देवता मंदिर का पुनर्निर्माण

धराली आपदा में ध्वस्त हुए ऐतिहासिक कल्प केदार देवता मंदिर का पुनर्निर्माण भी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली के लोग हमारे अपने हैं और उनके बेहतरीन विस्थापन एवं पुनर्वास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

हर्षिल तक सड़क 2 दिन में चालू करने का लक्ष्य

सीएम धामी ने लोक निर्माण विभाग और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि हर्षिल तक की सड़क कनेक्टिविटी मंगलवार तक बहाल कर दी जाए। जानकारी दी गई कि जैसे ही लिमचीगाड़ ब्रिज चालू होगा, 2 दिन के भीतर हर्षिल तक सड़क संपर्क बहाल कर दिया जाएगा। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

बेघर परिवारों के लिए बेहतर इंतजाम

धराली में 108 परिवार बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि इन सभी परिवारों से लगातार संपर्क और संवाद बनाए रखें, साथ ही रहने, भोजन, दवाइयों और आवश्यक सुविधाओं की बेहतरीन व्यवस्था सुनिश्चित करें।

चैनेलाइजेशन के लिए जियोलॉजिस्ट टीम रवाना

मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि सोमवार सुबह ही आईआईटी रुड़की, सीएसआरई और अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों के जियोलॉजिस्ट की टीम धराली आपदा ग्रस्त क्षेत्र के चैनेलाइजेशन के लिए रवाना की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव हो सके।

ग्रामीणों ने जताया आभार

वर्चुअल माध्यम से हुई बातचीत में धराली के ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने सीएम धामी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं तीन दिन धराली में रहकर उनका मनोबल बढ़ाया, आपदा आकलन के लिए तत्काल समिति बनाई, और मुआवजा वितरण प्रक्रिया शुरू करवाई।

रक्षाबंधन पर भी जारी रहा बचाव कार्य

सीएम धामी ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों में लगे सरकारी अधिकारियों, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, विभिन्न एजेंसियों और सेना के जवानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के पर्व पर भी अपने घरों से दूर रहकर इन कर्मियों ने जो साहस और समर्पण दिखाया है, वह प्रशंसनीय है।

पौड़ी जिले में भी राहत कार्य मिशन मोड में

मुख्यमंत्री ने डीएम पौड़ी श्रीमती स्वाति भदौरिया से भी आपदा राहत और बचाव कार्यों की जानकारी ली। डीएम ने बताया कि जिले के 338 गांव आपदा से प्रभावित हैं, जिनमें से सैंजी गांव के क्षतिग्रस्त घरों का आकलन पूरा हो गया है। अब तक 50.86 लाख रुपये का मुआवजा वितरित किया जा चुका है और राहत कार्य मिशन मोड में चल रहे हैं। बैठक में मुख्य सचिव आनंद वर्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु सहित सभी संबंधित विभागों के सचिव और अपर सचिव मौजूद रहे। वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी उत्तरकाशी, पौड़ी, धराली के ग्राम प्रधान व अन्य ग्रामीण भी बैठक में जुड़े।

धराली आपदा पर स्पष्ट आंकड़े स्पष्ट जारी करे सरकार: माहरा

देहरादून(पथ प्रवाह संवाददाता)। धराली से लौटे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने रविवार पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार को आपदा में लापता लोगों का स्पष्ट आंकड़ा जारी करना चाहिए। सरकार आंकड़ा जारी नहीं करके सिर्फ अपना चेहरा बचाना चाहती है। मुख्यमंत्री को छोड़कर कोई भी मंत्री अब तक धराली क्यों नहीं गया है। जबकि उत्तरकाशी और धराली में एक-एक मंत्री को कैंप करना चाहिए था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष माहरा ने कहा कि वह राजनीति करने नहीं बल्कि जमीनी हालात जानने और वहां के लोगों को यह भरोसा दिलाने धराली गए थे कि हम सब उनके साथ हैं। लेकिन मौके पर स्थिति उलट है। स्थानीय लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। रेस्क्यू के नाम पर उन्हें हेलीकॉप्टर से नहीं ले जाया जा रहा है। माहरा ने सवाल उठाया कि धराली में बड़ी संख्या में नेपाल और बिहार के मजदूर काम करते थे। पूरे प्रदेश में ऐसे काम करने वालों का पुलिस-प्रशासन सत्यापन करवाता है। चारधाम पंजीकरण के साथ ही होटल में रुकने वालों तक का ब्यौरा लिया जाता है, तो फिर धराली वालों का रिकॉर्ड अब तक जारी क्यों नहीं किया जा रहा है। आपदा के वक्त एक्टिव मोबाइलों के आधार पर यह रिकॉर्ड जुटा सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हर्षिल-धराली को लेकर अगर सरकार के पास ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष रामरतन सिंह नेगी, महामंत्री नवीन जोशी, प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट, सुजाता पॉल, पंकज क्षेत्री मौजूद रहे। वैकल्पिक रास्ते पर नहीं कर रहे विचार सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और बीआरओ के हौसले की करन माहरा ने तारीफ की। कहा कि स्थानीय प्रशासन का फोकस सिर्फ हेलीकॉप्टर पर है, जबकि यहां सबसे पहले वैकल्पिक पैदल रास्ते तैयार किए जाने चाहिए। ताकि स्थानीय लोग खुद आवाजाही कर सकें। हम पैदल गए और अपने साथ 45 से अधिक नेपाल और बिहार के लोगों को पैदल लाए हैं। एसडीआरएफ ने खतरनाक जगहों पर रास्ते पार कराने में मदद की। पांच हजार की सहायता वह भी चेक से करन माहरा ने उन्होंने पांच-पांच हजार रुपये की सहायता राशि को लेकर सवाल उठाए। कहा कि यह नाकाफी है और ऊपर से चेक दिए जा रहे हैं। जहां अब कुछ नहीं बचा है। लोग पैदल नहीं जा पा रहे हैं, वह लोग इन पांच हजार के चेक कहां किस बैंक जाकर कैश करवाते। यही वजह है लोगों ने इन्हें लेने से इंकार किया। धराली के लिए पर्याप्त मशीनें लगानी जरूरी धराली में 80 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैले मलबे को हटाने के लिए तीन पोकलैंड और जेसीबी मशीनों को उन्होंने नाकाफी बताया। कहा कि इसके लिए और मशीनों की जरूरत होगी। लेकिन यह सबकुछ हमारे जाने से पहले शुरू हो जाता तो यहां आपदा के बाद के 72 घंटे में मलबे में दबे कुछ लोगों को जिंदा निकाल पाना भी संभव था। कांग्रेस के वक्त बने पुल से चल रहा काम करन माहरा ने कहा कि हर्षिल से पहले दो वैली ब्रिज 2013 की आपदा के बाद कांग्रेस के समय बनाए थे, इन स्थानों पर अभी तक पक्के पुल नहीं बना जा सके हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग लोहारी नागपाला परियोजना को जारी रखने के पक्ष में हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी यह आश्वासन दिया था, लेकिन यहां परियोजना की टनल बंद होने के टेंडर तक कर दिए गए हैं।

प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के खिलाफ अब 18 से चॉक डाउन हड़ताल

देहरादून(पथ प्रवाह संवाददाता)। राजकीय शिक्षक संघ ने प्रधानाचार्य सीधी भर्ती के खिलाफ आज से प्रस्तावित चॉक डाउन हड़ताल 17 अगस्त तक स्थगित कर दी है। शिक्षक संघ ने उत्तरकाशी की आपदा को देखते हुए यह निर्णय लिया है। साथ ही तय किया है कि पदोन्नति, स्थानांतरण और प्रधानाचार्य सीधी भर्ती प्रक्रिया को स्थगित नहीं किया जाता है तो 18 से स्कूल स्तर पर चॉकडाउन हड़ताल शुरू की जाएगी। रविवार को राजकीय शिक्षक संघ ने 13 जनपद कार्यकारिणी के अध्यक्ष और मंत्री के साथ ही दोनों मंडलों की कार्यकारिणी और प्रांतीय कार्यकारिणी ने गूगल मीट कर हड़ताल स्थगित करने का फैसला लिया। प्रांतीय अध्यक्ष राम सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी ने उत्तरकाशी की आपदा को लेकर संवेदना प्रकट की। कहा कि संगठन संकट की इस घड़ी में प्रभावितों के साथ है। बैठक में संगठन की ओर से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता पर भी सहमति दी गई। बैठक में तय किया गया कि आज सोमवार से होने वाली हड़ताल को 17 अगस्त तक स्थगित किया जा रहा है। तब तक पदोन्नति, स्थानांतरण और प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती प्रक्रिया को निरस्त नहीं किया जाता है तो 18 अगस्त से स्कूल स्तर पर चॉक डाउन हड़ताल शुरू कर देंगे। इसके बाद ब्लॉक, जिला और मंडल मुख्यालय में धरना देंगे और इसके बाद प्रदेश व्यापी आंदोलन किया जाएगा। बैठक का संचालन प्रांतीय महामंत्री रमेश पैन्यूली ने किया ।

पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को याद किया

देहरादून(पथ प्रवाह संवाददाता)। ग्रासरूट अवेयरनेस एंड टेक्निकल इंस्टीट्यूट फॉर सोसायटी (गति) शैल कला और ग्रामीण विकास समिति की ओर से रविवार को हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विद्वान पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की पुण्यतिथि पर उनके योगदान के लिए याद किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भातखंडे को नमन के साथ शैल कला और ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष स्वामी एस चंद्रा ने कहा कि 10 अगस्त 1860 को मुंबई में जन्मे भातखंडे ने शास्त्रीय संगीत के सबसे बड़े आधुनिक आचार्य के रूप में अपना स्थान बनाया है। उन्होनें अनेक पुस्तकें लिखी। गति के सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक नीरज उनियाल ने बताया कि उनकी संगीत यात्रा 1904 में शुरू हुई, भारत के सैकड़ों स्थानों का भ्रमण करके हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक-मालिका नाम से एक ग्रंथमाला प्रकाशित कराई, जिसके छ- भाग हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गीत संगीत से समापन किया। गति के अध्यक्ष आलम सिंह रावत, पंडित अनुज शर्मा, पंडित मनोज शर्मा, रोशन लाल, संगीत विशेषज्ञ विजय वीर जौहरी, आंनद स्वरूप, पूजा चंद्रा, लियाकत अली, विशाल सावन, विशाल शर्मा, पूजा उनियाल, गोविंद सिंह गुसाईं आदि उपस्थित रहे।

युवाओं को आर्य समाज के प्रति किया जागृत

देहरादून(पथ प्रवाह संवाददाता)। अपर नत्थनपुर स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार हुए कार्यक्रम में नवयुवकों को आर्य समाज के प्रति जागृत किया गया। इस दौरान साप्ताहिक यज्ञ किया गया। फिर आर्य समाज के नवनिर्वाचित प्रधान दिनेश पुरी,पार्षद मेहरबान सिंह भंडारी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाष भट्ट का स्वागत किया गया। प्रधान दिनेश पुरी ने कहा युवा वर्ग में तेजी से बढ़ती नशाखोरी चिंता का विषय है। युवाओं पर नशे का खुमार हाबी हो रहा है। ऐसे में एक शिक्षक, अभिभावक या बतौर नागरिक हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि युवाओं को इस बुराई के खिलाफ जागरूक करें। मौके पर संदीप आर्य, उमेद सिंह विशारद, प्रेमलाल कोहली, रमेश चंद भारती, धनीराम चौथानी, पदी राम, रणजीत राय कपूर, राजाराम शास्त्री आदि मौजूद थे।

हम भाजपा से डरे हुए हैं क्योंकि हमारे लोगों को डराया जा रहा: माहरा

देहरादून(पथ प्रवाह संवाददाता)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों के प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाने पर कहा कि हम भाजपा से डरे हुए हैं। हमारे लोगों को डराया जा रहा है। अगर हम नाम घोषित करते हैं तो भाजपा सीधे ऐसे लोगों को टारगेट करेगी।

आपदा प्रभावित धराली से लौटे करन माहरा ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि पंचायत चुनाव में जनता ने साफ कर दिया है कि वह किसके साथ है। कांग्रेस के प्रत्याशी हर स्तर पर बड़ी संख्या में जीतकर आए हैं। इसलिए हमें अलग से कुछ बताने की जरूरत नहीं है। क्योंकि भाजपा के पास संख्या बल नहीं है, इसलिए वह जोड़-तोड़ की राजनीति कर रही है। आपदा प्रभावित उत्तरकाशी जिले के निर्वतमान जिला पंचायत अध्यक्ष को अपने खेमे में लाने के लिए पूरी भाजपा पिछले तीन दिन से जुटी हुई थी, जबकि उत्तरकाशी के हालात सबके सामने हैं। उन्होंने कहा कि हम मजबूती से ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना जिला प्रभारियों के संपर्क में हैं। जहां हमारे प्रत्याशी भाजपा का मुखरता के साथ सामना करने की मजबूत स्थिति में हैं, उनके नामों को हम घोषित करेंगे। बाकि सीटों पर सीधे प्रत्याशी को बताया जा रहा है कि वह नामांकन करवा लें। पार्टी पूरी तरह से ऐसे लोगों के साथ है, जिन्हें भाजपा भयभीत कर रही है। वहीं कांग्रेस भवन पहुंचे चकराता विधायक प्रीतम सिंह कहा कि सोमवार को आरक्षण के मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई है।

जिपं अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख के लिए नामांकन आज से

देहरादून(पथ प्रवाह संवाददाता)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अगले चरण में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव 14 अगस्त को होगा। इन पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 11 अगस्त सोमवार (आज) से शुरू होगी। नामांकन की प्रक्रिया सुबह 11 बजे शुरू होकर दोपहर तीन बजे तक चलेगी। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से सात अगस्त को चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई थी। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, जिला पंचायत सदस्यों और ब्लॉक प्रमुख के लिए 11 अगस्त को नामांकन होगा। इसी दिन नामांकन पत्रों की जांच होगी।

गढ़वाल कमिश्नर ने आपदा कंट्रोल रूम से की व्यापक समीक्षा, धराली-हर्षिल में राहत-बचाव और बहाली कार्यों में आई रफ्तार

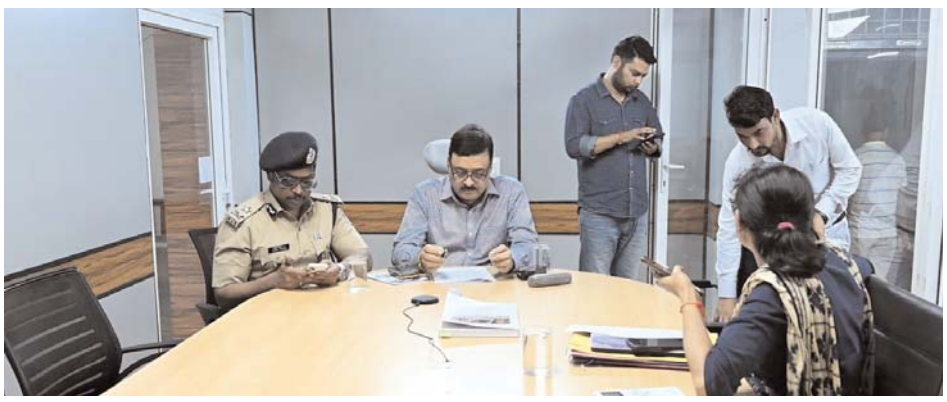

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। हर्षिल-धराली आपदा के बाद प्रशासन ने राहत और पुनर्स्थापना कार्यों को तेज़ रफ्तार देने के लिए कमर कस ली है। रविवार को गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर पांडे और पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने उत्तरकाशी आपदा कंट्रोल रूम पहुंचकर चल रहे सभी राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सभी संबद्ध एजेंसियों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और राहत प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

कमिश्नर पांडे ने कहा कि सरकार आपदा प्रभावितों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में धराली-हर्षिल क्षेत्र में सूखा राशन, आवश्यक उपभोक्ता वस्तुएं, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विद्युत विभाग ने युद्धस्तर पर अभियान चलाकर प्रभावित गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है, जबकि दूरसंचार नेटवर्क पहले ही सक्रिय कर दिया गया है। सड़क मार्ग खोलने के लिए गंगनानी के समीप लिमच्यागाड़ वेली ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है, जिससे आपदा क्षेत्र में आपूर्ति और बचाव वाहनों की पहुंच और सुगम हो जाएगी।

बैठक के दौरान कमिश्नर ने पुनर्स्थापना कार्य, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल आपूर्ति और खाद्यान्न वितरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा जाए और वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो।

उन्होंने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों को लगातार अलर्ट मोड में रहने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा– आपदा के समय हमारी प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद तक समय पर मदद पहुंचे, और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति असहाय महसूस न करे। धराली और हर्षिल के लोग अब धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौटने लगे हैं, लेकिन प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राहत और पुनर्वास की यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रभावित इलाकों में पूरी तरह स्थिरता और सुरक्षा बहाल नहीं हो जाती।

धराली आपदा में सेवा भाव और समर्पण की मिसाल RSS एवं स्थानीय स्वयंसेवकों की प्रतिबद्धता से मिली राहत

धराली आपदा में ऋस्स और स्थानीय स्वयंसेवकों ने दिखाया अद्भुत समर्पण और निस्वार्थ सेवा

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

धराली/उत्तरकाशी। धराली आपदा के कठिन हालातों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) और स्थानीय स्वयंसेवकों ने बिना किसी सरकारी आदेश और व्यक्तिगत स्वार्थ के त्वरित राहत और बचाव कार्य में जुटकर अनुशासन, संगठन और मानवीय सेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। आपदा के तुरंत बाद स्वयंसेवक राहत स्थल पर पहुँच गए और पीड़ितों को न केवल भोजन, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई, बल्कि मानसिक संबल भी दिया। ÷नर सेवा ही नारायण सेवा÷ के भाव को आत्मसात करते हुए, मदद हर जरूरतमंद तक पहुँचाई गई, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या समुदाय से हो।

जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा करते हुए हर स्वयंसेवक ने अपनी भूमिका पूरी निष्ठा से निभाई, जिससे राहत कार्य तेज़ी और व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ा। सीमित संसाधनों में स्थानीय नवाचार और संसाधनों का सदुपयोग करते हुए प्रभावित क्षेत्रों तक अधिकतम राहत पहुंचाने में सफलता मिली। इन सेवा कार्यों ने न केवल पीड़ितों के जीवन में राहत पहुंचाई, बल्कि स्थानीय युवाओं और नागरिकों में भी सेवा भाव जगाया। बहुत से लोगों ने प्रेरित होकर राहत अभियान में भाग लिया। इस आपदा में सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान भी प्रारंभ से ही राहत कार्य में सक्रिय रहे। उनके साहस और समर्पण ने स्थानीय जनता को भारी राहत दी और प्रभावित क्षेत्रों में भरोसे का माहौल बनाया। इस सेवा अभियान में विशेष रूप से सहयोग देने वालों में गुलाब सिंह नेगी (विभाग संघचालक), चतर सिंह (छात्रावास प्रभारी, मनेरी), डॉ. जगदीश सिंह चौहान (जिला विद्यार्थी प्रमुख), अनूप भंडारी (जिला प्रचार प्रमुख), हरेंद्र सिंह राणा (पूर्व कार्यकर्ता, एबीवीपी), अभिषेक राणा (खंड विद्यार्थी प्रमुख, भटवाड़ी), उत्तम (पूर्व मण्डल कार्यवाह, गंगोत्री), जितेंद्र (पूर्व मण्डल कार्यवाह, गंगोत्री), जयप्रकाश, मनवीर, नत्थी, ओमेंद्र (पुरातन छात्र) समेत अनेक स्वयंसेवकों का उल्लेखनीय योगदान रहा। धराली आपदा में इन स्वयंसेवकों की निस्वार्थ भावना, अनुशासन और समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया कि सेवा केवल संकट में मदद करना नहीं, बल्कि करुणा, साहस और त्याग का जीवन जीना है।

उत्तरकाशी में लिमच्यागाड वैली ब्रिज का निर्माण पूरा, सोनगाड तक सड़क संपर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सक्रिय निगरानी में आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों को मिली नई रफ्तार, सीमांत क्षेत्रों के जीवनदायिनी रास्ते की बहाली से राहत एवं पुनर्वास कार्यों में मिली मजबूती

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर लिमच्यागाड में आपदा से क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर नया वैली ब्रिज निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूरा कर लिया गया है। केवल तीन दिनों के अल्प समय में यह पुल बन जाने से गंगोत्री मार्ग पर सोनगाड तक सड़क संपर्क बहाल हो गया है, जिससे आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने का रास्ता खुल गया है।

पिछले दिनों हुई भयंकर अतिवृष्टि के कारण गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए थे। गंगनानी से आगे लिमच्यागाड में बना 30 मीटर लंबा पुल आपदा के दौरान बह गया था, जिससे सीमांत टकनौर क्षेत्र की मुख्य जीवन रेखा कहे जाने वाली इस सड़क पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था।

इस आपदा के तुरंत बाद मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने खुद जाकर राहत एवं बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के कड़े निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री लगातार इन कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं और उनकी सक्रिय निगरानी व निर्देशन में राज्य एवं केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों व एजेंसियों ने बेहतर समन्वय के साथ राहत एवं पुनर्वास अभियान को तीव्र गति से संचालित किया है।

संचार, बिजली और पेयजल आपूर्ति भी यथाशीघ्र बहाल कर दी गई है, जिससे प्रभावित क्षेत्र में जीवन पुनः सामान्य होने लगा है।

सीमा सड़क संगठन ने लोनिवि के सहयोग से भटवाड़ी सहित अन्य स्थानों पर क्षतिग्रस्त सड़कों की बहाली के बाद लिमच्यागाड में वैली ब्रिज का चुनौतीपूर्ण निर्माण रविवार सांय तक पूर्ण कर दिया।

अब गंगोत्री मार्ग पर सोनगाड तक सड़क संपर्क बहाल हो जाने से आगे के हिस्सों में क्षतिग्रस्त सड़क के पुनर्निर्माण कार्य तेजी से पूरे किए जा सकेंगे। इससे राहत एवं पुनर्वास कार्यों को और अधिक प्रभावी व त्वरित गति से संचालित किया जाना संभव होगा, जिससे आपदा प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर हाल में जनता की सेवा और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण कार्यों को पूर्ण प्राथमिकता दी जा रही है।

डीजीपी दीपम सेठ की हाईलेवल बैठक में संकल्प

हर लापता को ढूंढना और सुरक्षित घर पहुंचाना

पथ प्रवाह

उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा के राहत और बचाव कार्य अब निर्णायक मोड़ पर हैं। पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड दीपम सेठ ने रविवार को पुलिस मुख्यालय, देहरादून में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर साफ कहा कि अब मिशन एक ही है-हर लापता को ढूंढना और सुरक्षित घर पहुंचाना। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में चल रहे अभियानों की प्रगति रिपोर्ट लेते हुए डीजीपी दीपम सेठ ने एसडीआरएफ, फायर सर्विस, पीएसी, दूरसंचार और पुलिस बलों के अब तक के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खराब मौसम, मार्ग अवरोध और कठिन परिस्थितियां भी राहत दलों के हौसले को नहीं तोड़ सकीं और समय पर बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित निकाला गया।

दूसरे चरण की रणनीति तय

बैठक में निर्णय लिया गया कि सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस अभियान के लिए आईजी एसडीआरएफ अरुण मोहन जोशी को इंसिडेंट कमांडर और कमाण्डेन्ट एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी को डेप्युटी इंसिडेंट कमांडर नियुक्त किया गया। इन्हें डीएम और एसपी उत्तरकाशी, सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, बीआरओ, पीडब्लूडी, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर घटनास्थल को सेक्टरों में विभाजित कर जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए।

डीजीपी के सख्त निर्देश

एसडीआरएफ, फायर, पीएसी और पुलिस बल की पर्याप्त संख्या को धराली और हर्षिल में तुरंत रणनीतिक रूप से तैनात किया जाए। स्थानीय नागरिकों, ग्राम प्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के साथ मिलकर लापता व्यक्तियों की सटीक सूची तैयार की जाए और उसी के आधार पर खोज अभियान की प्राथमिकता तय हो। खतरनाक व संवेदनशील क्षेत्रों को ÷रेड फ्लैग÷ कर विशेष उपकरणों के साथ सर्च किया जाए। ड्रोन, थर्मल इमेजिंग कैमरे, विक्टिम लोकेटिंग कैमरे और डॉग स्क्वाड का अधिकतम उपयोग किया जाए। सभी टीमें 24म7 अलर्ट मोड पर रहें और हर गतिविधि की रीयल टाइम रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें।

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी

अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन एपी. अंशुमान, पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय नीरू गर्ग, पुलिस महानिरीक्षक पुलिस दूरसंचार कृष्ण कुमार वीके, पुलिस महानिरीक्षक फायर मुख्तार मोहसिन, पुलिस महानिरीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था नीलेश आनन्द भरणे, पुलिस महानिरीक्षक सुरक्षा करन सिंह नगन्याल; पुलिस महानिरीक्षक / निदेशक यातायात नारायण सिंह नपलच्याल; पुलिस महानिरीक्षक, एसडीआरएफ अरुण मोहन जोशी; पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरूप, पुलिस उपमहानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, धीरेन्द्र गुंज्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून अजय सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह; सेनानायक आईआरबी द्वितीय, श्वेता चौबे; पुलिस अधीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, कमलेश उपाध्याय, सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जनपद उत्तरकाशी से पुलिस अधीक्षक प्रदीप राय, पुलिस अधीक्षक अभिसूचना, अमित श्रीवास्तव; पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय, सरिता डोबाल; अपर पुलिस अधीक्षक, एटीसी, सुरजीत सिंह पंवार भी बैठक में उपस्थित रहे।

हर्षिल-धराली में खोज और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी, अधिकतर फंसे लोग सुरक्षित निकाले गए

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। हर्षिल और धराली आपदाग्रस्त क्षेत्र में खोज एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। 5 अगस्त 2025 की दोपहर को दैवीय आपदा ने इस क्षेत्र में भारी तबाही मचाई, जिसमें जन-धन का बड़ा नुकसान हुआ। घटना के तुरंत बाद पुलिस, एसडीआरएफ, सेना, फायर सर्विस, एनडीआरएफ, राजस्व विभाग सहित सभी आपदा प्रबंधन एजेंसियों की टीमें युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्यों में जुट गई।

अधिकांश फंसे लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन तेज गति से चल रहा है। जिलाधिकारी उत्तरकाशी प्रशांत आर्या और पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल ने भारी बारिश और हाइवे बाधित होने के बावजूद हेलीकॉप्टर के जरिए घटना स्थल पर पहुंचकर 2 से 3 दिन तक आपदा क्षेत्र में कैम्प किया और रेस्क्यू ऑपरेशन को लीड किया। घायलों और फंसे लोगों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल हवाई मार्ग से निकाला गया।

पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड दीपम सेठ ने आपदाग्रस्त क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर बचाव कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र राजीव स्वरुप उत्तरकाशी मुख्यालय में डटे रहकर राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं, जबकि पुलिस महानिरीक्षक एसडीआरएफ अरुण मोहन जोशी आपदा स्थल पर मौजूद रहकर रेस्क्यू की कमान संभाले हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को और प्रभावी बनाने के लिए सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी, पुलिस अधीक्षक अमित श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार राय, श्वेता चौबे, सुरजीत सिंह पंवार सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सक्रिय रूप से मोर्चा संभाल रहे हैं। अभियान में अतिरिक्त कार्यबल, आधुनिक उपकरण, खोजी श्वान दस्ते और उन्नत तकनीकी साधनों का उपयोग किया जा रहा है। बचाव दल दिन-रात लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं और हर संभव प्रयास जारी है ताकि आपदा प्रभावित क्षेत्र से सभी लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके।

धराली आपदा में आगे आया राज विद्या केंद्र दिल्ली, जरूरतमंदों के लिए भेजी राहत सामग्री

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। सीमांत जनपद उत्तरकाशी के धराली कस्बे में 5 अगस्त 2025 को बादल फटने से आई भीषण बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। जान-माल की भारी क्षति के बीच आपदा प्रभावित परिवारों की मदद के लिए राज विद्या केंद्र दिल्ली आगे आया। संस्थान ने अपनी संवेदनशीलता और मानवता के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए 520 पैकेट राहत सामग्री आपदा प्रबंधन प्राधिकरण उत्तरकाशी को सौंपे।

राहत सामग्री को पहले कीर्ति इंटर कॉलेज, उत्तरकाशी में जमा किया गया, जहां स्थानीय टीम ने सभी पैकेटों की गुणवत्ता जांच की। इसके पश्चात इन्हें तत्काल हेलीकॉप्टर से धराली भेजा गया ताकि राहत सामग्री समय पर जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

इस अवसर पर प्रोफेसर भगवती प्रसाद बिजल्वाण ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में हर संभव मदद पहुंचाना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। राज विद्या केंद्र दिल्ली का उद्देश्य सिर्फ राहत सामग्री पहुंचाना नहीं, बल्कि पीड़ितों के मनोबल को भी मजबूत करना है। हम चाहते हैं कि धराली के लोग जल्दी से जल्दी सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। इस अभियान में स्थानीय टीम का सहयोग सराहनीय रहा, वहीं राज विद्या केंद्र दिल्ली से यशपाल नेगी ने निरंतर मार्गदर्शन दिया। राहत वितरण टीम में भगवती प्रसाद बिजल्वाण, प्रदीप बिष्ट, डॉ. शूरवीर भंडारी, त्रिलोक बिष्ट, साब सिंह सेमवाल, परवीन परमार, सरिता परमार, कुलबीर बिष्ट, शेला भंडारी, चंद्रमा रतूड़ी और सुनील भट्ट सक्रिय रूप से शामिल रहे। धराली आपदा के इस कठिन समय में, जब हर किसी को किसी न किसी सहारे की जरूरत है, राज विद्या केंद्र दिल्ली का यह कदम न केवल मदद, बल्कि इंसानियत और संवेदनशीलता का जीता-जागता उदाहरण बन गया है।

प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, सड़क और संचार सेवाओं की पुनर्स्थापना पर विशेष फोकस, प्रशासन की सक्रिय भूमिका

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य का हर्षिल-धराली आपदा प्रभावित इलाकों में 6 दिन से निरंतर कैंप, प्रशासन ने दिखायी प्रभावी प्रतिबद्धता

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। हर्षिल और धराली में आई आपदा के बाद से जिलाधिकारी प्रशांत आर्य प्रभावित क्षेत्र में लगातार छह दिनों से कैंप कर रहे हैं और मौके पर रहकर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटे हैं। आज दोपहर वे जिला मुख्यालय के स्मार्ट कंट्रोल रूम पहुंचे जहां उन्होंने अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों को लिमच्यागाड़ पुल के शीघ्र निर्माण एवं सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद पुनः वे आपदा प्रभावित इलाकों के लिए रवाना हो गए। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने शाम को ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर राहत एवं पुनर्निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए जरूरी निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि तीनों महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी - बिजली, सड़क और संचार को प्राथमिकता के आधार पर पुनः स्थापित किया जा रहा है। इनमें से बिजली और संचार सेवाएं लगभग पूरी तरह सुचारू हो चुकी हैं, जबकि सड़क संपर्क को जल्द बहाल करने के लिए तेजी से कार्य चल रहे हैं। इसके अलावा प्रभावित लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित उपकरण, आवश्यक दवाइयां, खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता और तत्परता के साथ प्रभावित इलाकों में हर संभव मदद मुहैया कराने तथा स्थिति को जल्द से जल्द पटरी पर लाने के लिए समर्पित है। इस सक्रिय प्रशासनिक प्रयास से लिमच्यागाड़ पुल का निर्माण एवं संचालन सुचारू हुआ है, जिससे आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क बहाल होने की उम्मीद बढ़ गई है। प्रशासन का यह समर्पण आपदा पीड़ितों के लिए बड़ी राहत का कारण बना है।

यूपीसीए ने यश के यूपी टी20 लीग में भाग लेने पर प्रतिबंधित लगाया

लखनऊ। क्रिकेटर यश दयाल की मुश्किलें बढ़ती जा र रही हैं। यश पर यौन उत्पीड़न के दो मामले दर्ज होने के बाद उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने उनके आगामी यूपी टी20 लीग में भाग लेने पर प्रतिबंधित लगा दिया है। यश पर एक नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं और इस मामले में उनकी कभी भी गिरफ्तारी का हो सकती है। जयपुर के सांगानेर सदर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ ये मामला दर्ज किया गया है। यश पर इससे पहले भी एक युवती ने शादी का झांस देकर पांच साल तक शारीरिक और मानसिक शोषण का आरोप लगाया था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से खेलते हैं। आईपीएल के 2025 सत्र

में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है हालांकि अब जिस प्रकार के गंभीर आरोप उनपर लगे है। उसमें उनका करियर समाप्त हो सकता है। इस क्रिकेटर को लीग से बाहर करने का यूपीसीए का फैसला आरोपों की गंभीरता और खेल में अनुशासन को लेकर बोर्ड की प्रतिबद्धता को दिखाता है। यश दयाल ने अपने घरेलू करियर की शुरुआत उत्तर प्रदेश के साथ की थी। उन्होंने 2018 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने से पहले आयु वर्ग के क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया था। उन्होंने लिस्ट ए में उत्तर प्रदेश के लिए 2018-19 विजय हजारे ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने 9 ओवर में 41 रन देकर 1 विकेट लिया। उन्होंने 2018-19 रणजी ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ डेब्यू करते हु उन्होंने 2 विकेट लिए। अपने पहले रणजी सीजन में यश ने 8 मैचों में 2.87 की इकॉनमी रेट से 30 विकेट लिए और उस सीजन में उत्तर प्रदेश के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज रहे। इसके बाद टी20 में डेब्यू करते हुए 2018-19 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं सैमसन

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सैमसन का कहना है कि वह वैभव की पारियों को देखकर हैरान हैं। वैभव ने आईपीएल और उसके बाद अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को हैरान किया है। इसी को लेकर ऑफ स्पिनर आर अश्विन से बात करते हुए सैमसन से अपनी पुरानी और वर्तमान समय की यादों के बारे में बताया है। उन्होंने पिछले समय की दो यादगार पारियों को याद किया। इनमें से एक साल 1998 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की लंबी पारी और 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रायन लारा की नाबाद 400 रन की पारी। वहीं जब बात वर्तमान समय की की गयी तो

सैमसन ने वैभव का नाम लेते हुए कहा, वह वैभव नाम का उभरता खिलाड़ी जो राजस्थान रॉयल्स के लिए मैदान पर हर तरफ धूम मचा रहा है। जब उसने पहली गेंद पर छक्का मारा, तो मुझे लगा, चलो, वो भाग्यशाली है पर फिर वह मारता ही गया और उसके शॉट्स को देखकर मुझे कुछ समझ ही नहीं आया।

सैमसन ने टी20 में अपनी सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

नई दिल्ली। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कारण ही वह टी20 क्रिकेट में सफल हो पाये हैं। सैमसन ने कहा कि गंभीर खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हैं। सैमसन के अनुसार जब वह टीम में आये थे तब गंभीर ने उनसे कहा था कि उन्हें निडर होगर खेलना चाहिये क्योंकि टीम से बाहर होने से पहले 20 अवसर तो मिलेंगे ही। साथ ही कहा था कि जब वह 21 बार शून्य पर आउट होंगे तभी बाहर किया जाएगा। गंभीर के कोच बनने के बाद सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में तैयार टीम में सैमसन को सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिली थी। सैमसन ने बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाकर अपने चयन को सही साबित किया। .सैमसन ने कहा, 'यह बदलाव अचानक ही टी20 विश्व कप के बाद हुआ। गंभीर आये और सूर्यकुमार कप्तान बने। वहीं मुझे पारी

की शुरुआत का अवर मिला। तभी सूर्यकुमार ने कहा कि आपके लिए एक अच्छा अवसर है। हमारे पास सात मैच हैं. मैं आपको सभी सात मैच सलामी बल्लेबाज के तौर पर खिलाऊंगा।' सैमसन ने कहा, 'मैंने इससे पहले श्रीलंका में दो मैच खेले थे पर रन नहीं बना पाया। ड्रेसिंग रूम में थोड़ा निराश था। तब गंभीर मेरे पास आए और पूछा कि क्या हुआ है? मैंने कहा, 'काफी समय बाद मुझे अवसर मिला पर मैं इसका लाभ नहीं उठा पाया।' उन्होंने कहा, कि निराश होने की जरुरत नहीं है। अगर आप 21 बार जीरो पर आउट हो गए, तभी मैं आपको टीम से बाहर करूंगा।' कप्तान और कोच की इन बातों ने निश्चित रूप से मेरा मनोबल बढ़ा और इससे मुझे मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने में सहायता मिली.' सैमसन अब अगले माह होने वाले एशिया कप के लिए टीम में जगह बनाने का प्रयास कर रहे हैं। सैमसन ने भारतीय टीम की ओर से 42 टी20 मैचों में 25.32 की औसत के साथ 861 रन बनाये हैं।

वॉन बोले अभी सचिन से बेहतर नहीं हुए हैं रुट

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने हाल ही भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में शानदार बल्लेबाजी करते हुए कई अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। जिसके बाद से ही दावा किया जा रहा है कि वह भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अच्छे हैं और सबसे अधिक रनों का तेंदुलकर का रिकार्ड भी वह तोड़ सकते हैं। अभी वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इसी को लेकर जब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से पूछा गया कि क्या रुट सचिन से बेहतर हैं तो वॉन ने कहा कि अभी नहीं।

उन्होंने कहा कि रूट ने अभी तक 158 टेस्ट मैच खेले हैं। अगर बात सचिन के 200 में से पहले 158 टेस्ट मैचों की करें तो, रूट कई मामलों में अभी भी भारतीय बल्लेबाज से पीछे हैं। उदाहरण के के लिए 158 टेस्ट के बाद सचिन का औसत 54.75 का था, जबकि रूट

का औसल 51.29 का है। तेंदुलकर के नाम जहां 158 टेस्ट मैचों में 42 शतक थे, वहीं रूट ने अभी तक इतने ही मैचों में 39 शतक लगाये हैं। हाल ही में संपन्न हुई 5 मैच की टेस्ट सीरीज में रूट ने 537 रन बनाये और वह सीरीज में शुभमन गिल के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। इससे वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की दौड़ में लंबी छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट ने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा अब उनके आगे केवल तेंदुलकर ही हैं।

तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में कुल 15921 रन बनाए हैं, वहीं जो रूट 13543 रनों के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 2378 रनों का अंतर रह गया है।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com